

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

(Name) _____

2. (Signature) _____

(Name) _____

D—4306**PAPER—II****RAJASTHANI****Time : 1¼ hours]****[Maximum Marks : 100****Number of Pages in this Booklet : 8****Number of Questions in this Booklet : 50****Instructions for the Candidates**

- Write your roll number in the space provided on the top of this page.
- This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
- At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
 - To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
 - Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
 - After this verification is over, the Serial No. of the booklet should be entered in the Answer-sheets and the Serial No. of Answer Sheet should be entered on this Booklet.
- Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the oval as indicated below on the correct response against each item.

Example : (A) (B) (C) (D)

where (C) is the correct response.
- Your responses to the items are to be indicated in the Answer Sheet given **inside the Paper I booklet only**. If you mark at any place other than in the ovals in the Answer Sheet, it will not be evaluated.
- Read instructions given inside carefully.
- Rough Work is to be done in the end of this booklet.
- If you write your name or put any mark on any part of the test booklet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
- You have to return the test question booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
- Use only Blue/Black Ball point pen.**
- Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
- There is NO negative marking.**

Answer Sheet No. :

(To be filled by the Candidate)

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

Test Booklet No.**परीक्षार्थियों के लिए निर्देश**

- पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
- इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
- परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
 - प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
 - कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चेक कर लें कि वे पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
 - इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका की क्रम संख्या उज्जर-पत्रक पर अंकित करें और उज्जर-पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
- प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उज्जर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं। आपको सही उज्जर के दीर्घवृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।

उदाहरण : (A) (B) (C) (D)

जबकि (C) सही उज्जर है।
- प्रश्नों के उज्जर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये** उज्जर-पत्रक पर ही अंकित करने हैं। यदि आप उज्जर पत्रक पर दिये गये दीर्घवृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उज्जर चिह्नंकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
- अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
- कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
- यदि आप उज्जर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
- आपको परीक्षा समाप्त होने पर उज्जर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
- केवल नीले / काले बाल ज्वार्डेट पेन का ही इस्तेमाल करें।**
- किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
- गलत उज्जर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।

RAJASTHANI

राजस्थानी

PAPER—II

प्रश्न पत्र—II

Note : This paper contains **fifty** (50) multiple-choice questions, each question carrying **two** (2) marks. Attempt **all** of them.

नोट : इस प्रश्न-पत्र में **पचास** (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो** (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

नोट : इन प्रश्न पत्र में **पचास** (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। हरेक प्रश्न सारु **दो** (2) अंक निर्धारित है। **सगळा ई** प्रश्नां रा पडुतर दौ।

- नीचै लिखिया वाज्यां में किसौ वाज्य सही है ?
(A) राजस्थानी री व्यंजन ध्वनियां 'बिलटी' नांव सूं जांणीजै।
(B) राजस्थानी री विसर्ग ध्वनियां 'बिलटी' नांव सूं जांणीजै।
(C) राजस्थानी री स्वर ध्वनियां 'बिलटी' नांव सूं जांणीजै।
(D) राजस्थानी री अंतस्थ ध्वनियां 'बिलटी' नांव सूं जांणीजै।
- नीचै लिखिया क्रम में किसै क्रम पर लिखियोड़ी सारी ध्वनियां अल्प प्राण ध्वनियां है ?
(A) क्, ग्, ट्, ब् (B) क्, घ्, ड्, म् (C) क्, ट्, ध्, ह् (D) क्, ख्, थ्, स्
- राजस्थानी री विशिष्ट ध्वनियां है -
(A) ट्, ब्, ळ् (B) ब्, ळ्, क् (C) ळ्, ब्, ध् (D) प्, ब्, ध्
- 'काळौ' सबद रौ अरथ है -
(A) सांवरियो (B) सांवळौ रंग (C) सेवग (D) पागल आदमी
- नीचै लिखिया सबदां में किसै क्रम पर लिखियोड़ा सगळा सबद पुल्लिंग वाची है ?
(A) डेल, चील, ठोलौ, नाडौ (B) बळद, लीख, चरी, भूंडण
(C) बटियो, तवौ, पांखड़ी, नाग (D) मोरियो, चींपियो, धौळौ, बाकियो
- 'रघुवर जस प्रकास' अर 'रघुनाथ रूपक गीतां रौ' अँ दोनूँ ग्रंथ है -
(i) दोनूँ ग्रंथां में एक लक्षण ग्रंथ अर दूजौ ऐतिहासिक ग्रंथ है।
(ii) दोनूँ ग्रंथां में एक महाकाव्य अर दूजौ खण्ड काव्य है।
(iii) दोनूँ ई ग्रंथ लक्षण ग्रंथ है।
(iv) दोनूँ ई ग्रंथ चज्पू काव्य है।
यां में किसै क्रम पर लिखियोड़ौ वाज्य सही है ?
(A) (i) (B) (ii) (C) (iii) (D) (iv)

7. 'तेराताळी' नृत्य रौ संबंध किसै लोक-देवता सूं है ?
 (A) पाबूजी सूं (B) रामदेव जी सूं (C) गोगाजी सूं (D) तेजाजी सूं
8. 'पुस्तक प्रकाश' ग्रंथालय किसै शहर में है ?
 (A) जोधपुर (B) अलवर (C) जयपुर (D) बीकानेर
9. 'पाबूजी री पड़' बाचण वाळां नै कैवै -
 (A) जोगी (B) भांड (C) भोपा (D) भाट
10. यां मांय किसी रचना ईसरदासजी री रचना नहीं है ?
 (A) हरिरस (B) देवियांग (C) गुण-निंदा स्तुति (D) द्रौपदी-विनय
11. किण पसु नै सिणगारण सारू 'गोरबंध' चाहीजै ?
 (A) हाथी (B) घोड़ौ (C) ऊँट (D) बळद
12. जगचावै 'नड़-वादक' रौ नांव -
 (A) लोट्यौ जाट (B) करणा भील (C) ओम पुरी (D) मलियौ मैणौ
13. लोक-नाट्य कार उगमराज नै प्रसिद्धि मिळी -
 (A) रज्मत रै पांग (B) नौटंकी रै पांग (C) रब्याल रै पांग (D) तुराकलंगी रै पांग
14. "तीतर पंखी बादळी, विधवा काजळ रेख ।
 वा बरसै वा घर करै, इणमें मीन न मेख ।।"
 उज्त पद्यांश में लोक-विस्वासां कांनी संकेत करीजियौ है -
 (i) बिरखा हूवण रौ
 (ii) बिरखा नीं हूवण रौ
 (iii) विधवा स्त्री रै पुनर्विवाह रौ
 (iv) विधवा स्त्री रै पाछौ ज्यांव नीं करण रौ
 लोक-विस्वासां मांय सूं किसै-किसै क्रम पर लिखिया लोक-विस्वास उज्त लोक-दूहै में वर्णित है ?
 (A) (i) अर (iii) (B) (i) अर (ii) (C) (iii) अर (iv) (D) (ii) अर (iii)
15. 'अचलदास खीची री वचनिका' रा रचनाकार रौ नांव है -
 (A) चन्द बरदाई (B) पृथ्वीराज राठौड़ (C) शिवदास गाडण (D) माला सान्दू
16. बारहठ बालाबज्श किसी संस्था नै 'बालाबज्श राजपूत-चारण पुस्तक माला' योजना मांय ग्रंथ प्रकासण सारू आर्थिक सहयोग दीनौ ?
 (A) राजस्थानी भाषा-साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर
 (B) नटनागर शोध-संस्थान, सीतामऊ
 (C) साहित्य अकादमी, दिल्ली
 (D) नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

17. यां मांयं सूं किसौ साहित्यकार राजस्थानी रौ नाटककार नहीं है ?
 (A) डा. कल्याण सिंह शेखावत (B) भरत व्यास
 (C) शिवचन्द भरतिया (D) डा. अर्जुनदेव चारण
18. भारत रै सुतंतरता-संग्राम में किसौ कवि कारावास रौ दण्ड भुगतियौ ?
 (A) रामनाथ कविया (B) बांकीदास
 (C) केसरी सिंह बारहठ (D) मोडजी आसिया
19. इतिहास-बोधक गद्य-विद्या राजस्थानी में जांणीजै -
 (A) ज्यात (B) बात (C) टब्बा (D) बालावबोध
20. "मरदां मरणौ हज्क है, अबरसी गल्लांह।
 सापुरसां रा जीवणा, थोड़ा ही भल्लाह।।"
 औ पंज्जियां किसै रचनाकार री है ?
 (A) वीरभाण रतनू (B) माला सांदू (C) जाडा मेहडू (D) ईसरदास बारहठ
21. लोक-वाद्य 'भपंग' बजावण वाळौ जहूर खाँ किसै क्षेत्र रौ रैवणवाळौ है ?
 (A) मेवात (B) माखाड़ (C) ढूंढाड़ (D) मेवाड़
22. 'हूँ गोरी किण पीव री' किण विधा री रचना है ?
 (A) नाटक (B) उपन्यास (C) कहानी (D) निबंध
23. "सागर पूछै सफरां, आज रतंबर काह।
 भारथ तणै ऊमेदियै, खाग झिकोळी मांह।।"
 राजस्थानी काव्य री दीठ सूं उज्ज पद्यांश में किसौ काव्य-दोष है ?
 (A) छबकाळ (B) हीण (C) निनंग (D) पांगळौ
24. 'आदमी रौ सींग' कहाणी-संग्रह रा रचनाकार रौ नांव है -
 (A) नृसिंह राजपुरोहित (B) विजयदान देथा
 (C) करणीदान बारहठ (D) रामेश्वर दयाल श्रीमाळी
25. 'तानो' कहाणी रा लेखक है -
 (A) नानूराम संस्कर्जा (B) यादवेन्द्र शर्मा 'चन्द्र'
 (C) किशोर कल्पनाकांत (D) मुरलीधर व्यास
26. 'राजस्थान अर उणरौ जीवन दरसण' निबंध रा लेखक है -
 (A) कल्याणसिंह शेखावत (B) सौभाग्यसिंह शेखावत
 (C) गोरधनसिंह शेखावत (D) सुमेरसिंह शेखावत

27. “लोग कैवै सूरज ऊगौ, पिण करै गियौ परकास ।
हाथ हाथ नै खावण दौड़ै, किण री राखां आस ।
मुलक री आ कैड़ी आजादी ।
पूत पितर में मच्यौ छिनाळौ चारूं दिस बरबादी ॥”
उज्त पद्यांश रै कवि रौ नांव है -
- (A) रेवतदान चारण (B) सत्यप्रकाश जोशी
(C) जयनारायण व्यास (D) गणेशलाल व्यास ‘उस्ताद’
28. “जिण दीध जनम जगि मुखि दे जीहा,
क्रिसन जु पोखण भरण करै ।
कहण तणौ तिणि तणौ कीरतन,
स्रम कीधा विपु केम सरै ॥”
उज्त छंद मांय किसौ अलंकार है ?
- (A) व्याज स्तुति (B) रूपक (C) काव्यलिंग (D) उदाहरण
29. यां मांय सूं किसै छंद रा प्रत्येक चरण में 24 मात्रावां हुवै अर 11 अनै 13 मात्रावां पर यति हुवै ?
- (A) रोळा (B) गीतिका (C) छप्पय (D) झमाळ
30. ‘जूना जीवता चितराम’ रचना री विधा है -
- (A) रेखाचित्र (B) रिपोर्ताज (C) उपन्यास (D) नाटक
31. ‘आज घरै सासू कहै, हरख अचाणक काय’ आ पंजित्त किसै ग्रंथ री है ?
- (A) बीसलदे रास (B) हालां झालां रा कुण्डळिया
(C) सूरज प्रकास (D) वीर सतसई
32. आधुनिक राजस्थानी कहाणी रा प्रवर्जक लेखक है -
- (A) लक्ष्मी कुमारी चूण्डावत (B) मनोहर शर्मा
(C) शिवचन्द्र भरतिया (D) नानूराम संस्कर्जा
33. ‘पुरानी राजस्थानी’ पोथी रा मूल लेखक रौ नांव है -
- (A) डा. सुनीति कुमार चाटुर्ज्या (B) सीता रामलाळस
(C) डा. एल.पी. तेस्सितोरी (D) रामकर्ण आसोपा
34. ‘कान्हड़दे प्रबंध’ में किसै जुद्ध वरणन है ?
- (A) हळदी घाटी रौ जुद्ध (B) पानीपत रौ जुद्ध (C) खानवा रौ जुद्ध (D) जालोर रौ जुद्ध

35. “धोरां आळा देस जाग रे, ऊंठां आळा देस जाग रे,
छाती पर पैणा पड्या नाग रे, धोरां आळा
उज्त पद्यांश में ‘पैणा नाग’ प्रतीक है -
- (A) आतंकवाद रा (B) भ्रस्ट राजनेतावां रा
(C) पाखण्डी संन्यासियां रा (D) नफाखोर सोसकां रा
36. ‘बीकम बरसां बीतियो, गण चौ चंद गुणीस’ पंजित में प्रयुज्त बरस रौ अरथ है -
- (A) वि.सं. 1947 (B) वि.सं. 1856 (C) वि.सं. 1914 (D) वि.सं. 1904
37. यां मांय किसी पत्रिका राजस्थानी भाषा री पत्रिका नहीं है ?
- (A) मधुमती (B) जागती जोत (C) ओळखाण (D) हरावळ
38. “आपै अलख उपनो सिंभू,
निरह निरंजण के धंधूकारूं।”
पद्यांश रा रचनाकार रौ नांव है -
- (A) संत जांभोजी (B) रामदेवजी (C) दादू दयालजी (D) चरणदासजी
39. संत कवि दादूदयाल री गादी (प्रधानपीठ) किसी ठौड़ है ?
- (A) मंडोर में (B) अजमेर में (C) नराणे में (D) अलवर में
40. कवि धर्मवर्द्धन रौ संबंध है -
- (A) निर्गुण संत परज्परा सूं (B) जैन काव्य परज्परा सूं
(C) रीति काव्य परज्परा सूं (D) सूफी काव्य परज्परा सूं
41. यां रचनावां में किसी रचना रौ संबंध लौकिक शैली सूं नहीं है ?
- (A) बीसलदे रास (B) बसंत विलास फागु
(C) ढोला मारू रा दूहा (D) हंसावली
42. ‘सींह कवड्डी नह लहइ, गइवर लज्जिख बिकाई’ इण पंजित में किण-किण भाव री अभिव्यज्जित हुई है ?
- (A) पराधीन भाव री (B) स्वाधीन भाव री
(C) स्वाधीन-पराधीन भाव री (D) समाज सेवा भाव री
43. ‘कान्हड़दे प्रबंध’ रा रचनाकार रौ नांव है -
- (A) शिवदास गाडण (B) पद्मनाभ (C) कुशल लाभ (D) पृथ्वीराज राठौड़
44. ‘धोरां रौ धोरी’ उपन्यास रौ नायक है :
- (A) बीरमदे (B) अजीत सिंह (C) तेस्सितोरी (D) महाराजा गंगासिंह
45. किशोर कल्पनाकांत री पोथी ‘नूँवा संदर्भ: जूना प्रतीक’ रौ मूळ प्रतिपाद्य है -
- (A) साहित्य - समीक्षा (B) लोक - साहित्य (C) भाषा - विज्ञान (D) पाठालोचन

46. 'देस रौ हेलौ-सुग री पुकार' पोथी किण विधा री है ?
 (A) नाट्य - विधा (B) एकांकी - विधा (C) निबंध - विधा (D) उपन्यास - विधा
47. 'दादू रंग भरि खेलौ पीव सों, तहाँ बाजै बैन रसाल' इण पंजित में 'बैन रसाल' रौ अरथ है -
 (A) मीठा बोल (B) कड़वा बोल (C) एक राग (D) अनहद नाद
48. "देस सुगंगु, भुंइ निजळ, न दियाँ दोस थळोँह।
 घरि-घरि चन्द बदन्नियाँ, नीर चढ़इ कमळोँह।।"
 इण दूहा में किणरौ कथन है -
 (A) साल्ह कुँवर ढोला रौ (B) मालवणी रौ
 (C) मारवणी रौ (D) ऊमर सूमरै रौ
49. यां रचनावां में किसी रचना पृथ्वीराज राठौड़ री लिखियोड़ी नहीं है ?
 (A) ठाकुर रा दूहा (B) गंगाजी रा दूहा (C) रुकमणी हरण (D) विट्ठल रा दूहा
50. भारतीय परजपरा में साहित री उपज मिनख अर परिवेस रै रिस्तां नै समझावण में अपांरी मदत करै। क्रौच पंछी रौ वध अर डाकू रौ कवि रूप में अवतरण कोई साधारण घटना नीं है। वा कुदरत रै मूळ सुभाव नै जाणण री अेक सिरजणाऊ प्रक्रिया है। जकौ खुद हित्यारौ है, उण सारू किणी पंछी रौ मरण अेक अणूती साधारण घटना ई होवणी चाइजती। औ उजास रौ परगटणौ परिवेस रै साथै बदलियोड़ै उणरै रिस्तै रौ पैलौ पावंडौ है। परिवेस पैली ई उणरौ वो हौ, पण दीठ मारक ही, दीठ रै बदळियां सोच ई बदळियोँ। मारक सरजक होय गयो। उणरै संवेदन रौ विस्तार होयो। उणरी चेतना नुंवा अरथ जाणिया। आ साहित अर परिवेस बिचै पैली भिड़न्त है। अेक अैड़ी भिड़न्त जिणमें वे अेक दूजै नै पोखण सारू आप आप रौ श्रेष्ठ देवण नै तीयार ऊभा है।
 उज्त गद्यांश रौ ओपतौ अर सार वाज्य है -
 (A) साहित सिरजणा में परिवेस री महताऊ भूमिका व्हे।
 (B) साहित सिरजणा सारू कुदरत रै मूळ सुझाव नै जाणणौ पड़ै।
 (C) साहित सिरजणा सारू साहित अर परिवेस बिचै भिड़न्त जरूरी है।
 (D) साहित सिरजणा सारू साहितकार री चेतना नै परिवेस रा नुवा अरथ जाणणा पड़ै।

- o o o -

Space For Rough Work